# अपना दुःख बरबाद न जाने देना।।

**भजन संहिता Psalms 119:71**

**मुझे जो दुःख हुआ वह मेरे लिये भला ही हुआ है, जिस से मैं तेरी विधियों को सीख सकूं।**

**आज हम सीखेंगे की कैसे प्रभु कई बार हमें दुखों में डालता है। इसलिए नहीं कि वह हमसे प्यार नहीं करता, परंतु इसलिए क्योंकि वह हमसे बहुत प्यार करता है।**
**वह पिता की तरह हमारे जीवन में दुख को आने देता है ताकि उनके द्वारा हमारे जीवन को सही दिशा पर लाकर हमारा मार्गदर्शन करके हम उस स्थान पर पहुंचा सकें जो हमारे लिए उचित है, भला है, बेहतर है और योग्य है।।**

**वह मनुष्य अभागा है जिसने अपने जीवन में दुख देखा और उसे दुख से कुछ भी ना सीखा।**

**Daniel दानिय्येल 4:29-37**

**हम  देखते हैं राजा नबूकदनेस्सर के जीवन में से, की किस तरह खुदा उसे उठाता है, मगर राजा घमंड से भर जाता है और एक दिन जब वह बाबुल को देख यह विचार करता है की इसे मैंने अपने बल और सामर्थ से बनाया है तो परमेश्वर उसके विषय में ये आज्ञा निकालता है कि राज्य उसके हाथ से निकल गया और अब वह सात काल तक  मैदान के पशुओं के संग रहेगा और बैलों की नाईं घास चरेगा जब तक कि वह न जान ले कि परमप्रधान, मनुष्यों के राज्य में प्रभुता करता है और जिसे चाहे वह उसे दे देता है।**

**और हम देखते हैं की वो अपने उस दुःख में जब परमेश्वर को याद किया,परमेश्वर को धन्य कहा। परमेश्वर की स्तुति और महिमा करके कहने लगा की उसकी प्रभुता सदा की है और उसका राज्य पीढ़ी से पीढ़ी तक बना रहने वाला है।तब परमेश्वर ने उसे उसके राज्य में स्थिर किया।**

**2 शमूएल Samuel 16:5-12**

हम दाऊद के जीवन में से देखने पाएंगे की जब उसने हित्ती ऊरिय्याह को मरवाकर और उसकी पत्नी को अपनी पत्नी बनाकर गलत काम किया। तब खुदा ने उसके राज्य को उसके पुत्र अबशालोम के हाथ कर दिए और जब दाऊद बहूरीम तक पहुंचा, तब शाऊल का एक कुटुम्बी शिमी उसे कोसता हुआ चला आया। और दाऊद और उसके सब  कर्मचारियों पर पत्थर फेंकने लगा।

फिर दाऊद अपने सब कर्मचारियों से कहा, उसको रहने दो, और शाप देने दो; क्योंकि यहोवा ने उस से कहा है। और कहा  कदाचित यहोवा इस उपद्रव पर, जो मुझ पर हो रहा है, दृष्टि करके आज के शाप की सन्ती मुझे भला बदला दे।

दाउद ने हलीमियत दिखाई, वो तब भी राजा था, और चाहता तो शिमी को मार सकता था। पर उसने ये समझ लिया कि इस बेइज़्ज़ती में भी मेरी ही भलाई है।

**नीतिवचन Proverbs 3:11-17**

हम परमेश्वर के  वचन से देखने पाएंगे की जब खुदा हमे डांटे तब हमे उसका बुरा नहीं मानना चाहिए क्योकि यहोवा हमसे प्रेम करता है।

**अयूब Job 5:18**

क्योंकि वही घायल करता, और वही पट्टी भी बान्धता है; वही मारता है, और वही अपने हाथों से चंगा भी करता है।

क्या आज आप अपने ऊपर आए दुख के समय को यूं ही बरबाद करेंगे, या उससे सीखेंगे और परमेश्वर के द्वारा अपनी भलाई देखेंगे।?